SALToC Project
Title: Ālocanā (Delhi, India)
Imprint: Dillī : Rājakamala Prakāśana Prāiveṭa lī
OCLC: 4094931
No. 47 (Oct-Dec 2012)
TOC Provided by Center for Research Libraries

आलोचना

त्रैमासिक

सहस्राब्दी अंक सैंतालीस

अक्टूबर-दिसम्बर 2012

प्रधान सम्पादक
नामवर सिंह

सम्पादक
अरुण कमल

सहसम्पादक
आर. चेतनक्रान्ति

कला सम्पादक
हरीश आनन्द

प्रबन्ध सम्पादक
अशोक महेश्वरी

आलोचना 47
त्रैमासिक

सम्पादकीय : 5

कश्मीरी कविता : **नसीम शफ़ाई** 7
नसीफ शफ़ाई से **वन्दना चौबे** की बातचीत : 'मुझे इन्तजार है कि मेरी कविता गीत बन जाए' 10

लाल्टू की कविताएँ 19

इक्कीसवीं सदी में आलोचना कर्म : फिर पाठ की ओर : **अवधेश कुमार सिंह** 22
फिर से पाठ : रामचरित मानस : एहि के हृदय बसति बैदेही : **सर्वेश कुमार सिंह** 29
भाषा जब भ्रष्ट होती है तो समाज भी भ्रष्ट हो जाता है : **विश्वनाथ प्रसाद तिवारी** 39
चूड़ी का चिह्नशास्त्र : **कृष्ण कुमार** 44

पंकज परिमल की कविताएँ 57

अदम गोंडवी : एक हमसफ़र शायर : **निरंजन सहाय** 59
भूमंडलीकरण : अर्थव्यवस्था, राजनीति और संस्कृति : **इरिक हॉब्सबॉम** से **एन्तोनियो पोलितो** की बातचीत : 62
हॉब्सबॉम को पढ़ते हुए : **खगेन्द्र ठाकुर** 78
भारतीय राजनीति पर रामविलास शर्मा : **प्रभुनारायण राय** 87
आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिन्दी और लोक-प्रवृत्ति : **इन्द्रनाथ चौधुरी** 96
दलित साहित्य : आलोचना का संकट : **ओमप्रकाश वाल्मीकि** 101
कवि विष्णु नागर : **पुष्पपाल सिंह** 107

कुमार अनुपम की कविताएँ 113
हिमांशु बी. जोशी की कविताएँ 115

प्रवासी हिन्दी लेखन में 'नॉस्टेल्जिया बनाम यथार्थ' : **जया शर्मा** 117

प्रवासी कहानी की नई भूमि : **हरजेन्द्र चौधरी** 122
पटना क़लम : विलुप्त शैली में कुछ कविताएँ : **कृष्ण कल्पित** 126

आत्मकथा और उपन्यास : **ज्ञानेन्द्र कुमार सन्तोष** 128
लोकतंत्र, मीडिया और हिन्दी : **राम आह्लाद चौधरी** 139

स्मृति : धनतेरस अब सूनी होगी : **रामगोपाल शर्मा** 146